ये अव्यक्त इशारे

संस्कार मिलन की रास करो

20-04-2024

संस्कार मिलन की रास करने के लिए अपनी नेचर को इज़ी आरै एक्टिव बनाआ। इजी अथार्त् अपने पुरुषार्थ में, संस्कारों में भारीपन न हो। इज़ी है तो एक्टिव है। अगर खुद इज़ी नहीं बनते हैं तो मुश्किलातों का सामना करना पड़ता है। फिर अपने संस्कार, अपनी कमजोरियां मुश्किल के रूप में देखने में आती हैं।

Perform the dance of harmonising sanskars.

In order to perform the dance of harmonising sanskars, make your nature easy and active. Easy means there should be no heaviness in your efforts or sanskars. If you are easy, you are active. By remaining easy, all tasks become easy and your efforts also become easy. If you yourself don't remain easy, you have to face difficulties. Then you see your sanskars and weaknesses as a difficulty.